

॥ श्रीगुरुदण्डकम् ॥

.. shrIgaruDadaNdakam ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

---

# Document Information

---

Text title : garuDadaNDakam

File name : garuDadaNDaka.itx

Location : doc\_deities\_misc

Author : vedAntadeshikA

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Prasanna Vijay pvsvr84 at gmail.com

Proofread by : Prasanna Vijay pvsvr84 at gmail.com

Latest update : December 1, 2012

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

## ॥ श्रीगरुडदण्डकम् ॥

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः ।

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी ।

वेदान्तचार्यवर्यो मे सन्निधत्ताम् सदाहृदि ॥

नमः पद्मगनद्धाय वैकुण्ठवशवर्तिने ।

श्रुतिसिन्धु सुधोत्पादमन्दराय गरुत्मते ॥ १ ॥

गरुडमखिलवेदनीडाधिरूढम् द्विषत्पीडनोत्कण्ठिताकुण्ठवैकुण्ठपीठीकृत  
स्कन्धमीडे स्वनीडागतिप्रीतरुद्रासुकीर्तिस्तनाभोगगाढोपगूढ स्फुरत्कण्टकव्रात  
वेधव्यथावेपमान द्विजिह्वाधिपाकल्पविष्कार्यमाण स्फटावाटिका  
रत्नरोचिश्छटा राजिनीराजितं कान्तिकल्लोलिनीराजितम् ॥ २ ॥

जयगरुड सुपर्ण दर्वीकराहार देवाधिपाहारहारिन्

दिवौकस्पतिक्षिप्तदम्भोलिधाराकिणाकल्प कल्पान्तवातूल कल्पोदयानल्प

वीरायितोद्यच्चमत्कार दैत्यारि जैत्रध्वजारोहनिर्धारितोत्कर्ष

सङ्कर्षणात्मन् गरुत्मन् मरुत्पञ्च काधीश सत्यादिमूर्ते न कश्चित्

समस्ते नमस्ते पुनस्ते नमः ॥ ३ ॥

नम इदमजहत्सपर्याय पर्यायनिर्यातपक्षानिलास्फालनोद्वेलपाथोधि

वीचीचपेटाहतागाधपाताळभाङ्गारसंकुद्धनागेन्द्रपीडासुणीभावभास्वन्नखश्रेणये

चण्डतुण्डाय नृत्यद्भुजङ्गभ्रुवे वज्रिणे दंष्ट्रय तुभ्यमध्यात्मविद्या

विधेया विधेया भवद्दास्यमापादयेथा दयेथाश्च मे ॥ ४ ॥

मनुरनुगत पक्षिवक्त्र स्फुरत्तारकस्तावकश्चित्रभानुप्रियाशेखरस्त्रायतां

नस्त्रिवर्गापवर्गप्रसूतिः परव्योमधामन्

वलद्वेषिदर्पज्वलद्वालखिल्यप्रतिज्ञावतीर्णा स्थिरां तत्त्वबुद्धिं परां

भक्तिधेनुं जगन्मूलकन्दे मुकुन्दे म्हानन्ददोग्ध्रीं दधीथा

मुधाकामहीनामहीनामहीनान्तक ॥ ५ ॥

षड्विशद्वर्णचरणो नरपरिपाटीनवीनगुम्भगणः ।

विष्णुरथदण्डकोऽयं विघटयतु विपक्षवाहिनीव्यूहम् ॥ ६ ॥

विचित्रसिद्धिदः सोऽयं वेङ्कटेशविपश्चिता ।

गरुडध्वजतोषाय गीतो गरुडदण्डकः ॥ ७ ॥

कवितार्किकसिंहाय कल्याणगुणशालिने ।

श्रीमते वेङ्कटेशाय वेदान्तगुरवे नमः ॥

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः ॥

Encoded and proofread by Prasanna Vijay pvsvr84 at gmail.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

.. shrIgaruDadaNdakam ..  
was typeset on July 25, 2016

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

